हुणिवालि बातोंक बारि मिं परमेश्वरक दर्शन

यौ प्रभु यीशु मसीक शिष्य यहूनाक जरियल लेखी हुणिवालि घटनाओंक बारि मिं चिट्ठी छु।

यौ यहूना ऐल पतमुस नामक द्वीप मिं छु, जां कि उकैं सजाक तौर मिं धरि रॉखौ। वां परमेश्वर उकैं आपण यौ दर्शन दिणईं।

यौ बखत विश्वासियोंक लिजी भौत मुश्किलक बखत छी किलैकि उनुमिं सताव हुणौछी। परमेश्वर उनुकैं यौ दर्शनल तसल्ली दिंनी कि उनेरि हालत हमेशा यसि नि रवो। परमेश्वर सबनक न्याय करॉल और एक नई दुनी बणाल, जां मौत और पाप नि हो, पर उं परमेश्वरक दगाड़ हर बखत रौल।

दुःखक बीच मिं धीरज

(प्रकाशितवाक्य १:४-६)

ऑशिया मिं सात विश्वासियोंक समुदायक लिजी यहूनाक चिट्ठी।

परमेश्वर जो हमेशा छी, ऐल छन, और उणी लै छन, उनर पवित्र आत्मा जो सिंहासनक सामण रुं, और यीशु मसीह जकैं परमेश्वरल सब मरी मैंसों मिंबे पैली ज्यून करो, और जो पुर दुनियक रॉजोंक रॉज लै छु, उनेरि दया और शांति तुमुमिं हो।

यीशुक बारि मिं गवाही दिणक कारणल मी पतमुस नामक द्वीप मिं बन्द छूं। हमुकैं यीशु मिं भरौस करणक कारणल मैंसोंक जरियल भौत परेशानी मिली, जस तुमुकैं लै। लेकिन हम धीरजल परमेश्वरक राज्यक इंतजार करनू।

सिंहासन मिं भैटी परमेश्वर

(प्रकाशितवाक्य ४:१-११)

एक दिन मिकैं यौ दर्शन मिलौ कि स्वर्गक एक द्वार खुलि रौ और एक भुकौरक जसि अवाज मिधैं कूणैछी, "आ, यां मेलि आ, मी तुकैं दिखूंल कि यैक बाद ऑब के ह्वल।"

तब तुरंत परमेश्वरक आत्मा मिं पर ऐ और मील स्वर्ग मिं एक सिंहासन देखौ, और क्वे उमिं बैठि रौ जो रत्नोंक चारि चमकदार छु, और वीक सिंहासनक चारों तरफ हरी चम-चम करणी घाम जस छु। उ सिंहासनक चारों तरफ चौबीस सैप आपण-आपण गद्दी मिं भैटीं छी। उनुल सफेद लुकुड़ और सुनॉक मुकुट पैरीं छी। सिंहासन मिंबे बिजलि और गर्जनक जसि अवाज उणैछी। वीक सामण सात मशाल जल रईं, जो परमेश्वरक सात आत्मा छन। सिंहासनक ऑश-पासक फर्श वार-पार देखीणी और चमकदार छी।

सिंहासनक चारों तरफ चार जन्तु छी, जनर अघिल और पछिन ऑखै-ऑख छी। पैल जीव शेरक चारि, दुसर सांड़क चारि, तिसरक मूख मैंसक चारि और चौथूं उड़णिवॉल गरूड़क चारि छी। चारों कै छै-छै फांक छन, और उं भ्यार-भितेर ऑखोंल भरी छन और रात-दिन लगातार यौ कूंनी रुंनी, "पवित्र, पवित्र, पवित्र सबों है शक्तिमान प्रभु परमेश्वर, जो छी, जो छन और जो रौल!" जब-जब उं प्राणि सिंहासन मिं भैटी युग-युगों तलक ज्यून रुणिवॉल कैं महिमा, आदर और धन्यवाद दिंनी, तब-तब चौबीस सैप सिंहासन मिं बैठिवॉल कैं पैलाग करनी, हमेशा-हमेशा तलक ज्यून रुणिवॉलक अराधना करनी और यौ कून-कूंनी सिंहासनक सामण आपण-आपण मुकुट खिति दिंनी, "हमर प्रभु परमेश्वर, तुम महिमा, आदर और सामर्थक अधिकारी छा, किलैकि तुमुल सॉर दुनी बणै। तुमरै मंशाल यौ बणी और यैक जनम लै हौ।"

परमेश्वरक न्यायक दिन

(प्रकाशितवाक्य २०:११-१५)

यैक बाद मील एक ठुलौ सफेद सिंहासन और उमिं भैटी परमेश्वर कैं देखौ। धरति और अगाश वीक सामण गैब है ग्याय, और उनर कैं के पत्त नि चल। मील नॉन-ठुल सब मरियों कैं उ सिंहासनक सामण ठॉड़ देखौ। तब

किताब खोली ग्याय, और जीवनकि किताब लै खोली गेई। मैंसोंक सब काम उं किताबों मिं लिखी छी, और वीक हिसाबल उनर न्याय करी गो।

समुद्रल आपण उं मरियों कैं जो उमिं छी, दी दे। तब मौत और अधोलोकल लै आपण मरियों कैं दे। और उं सबनक कामोंक हिसाबल हरेकक न्याय करी गो। यैक बाद मौत और अधोलोक द्विनों कैं ऑगक ताल मिं खिती गो। और जैक नाम जिन्दगीक किताब मिं लेखी नि मिल, उ ऑगक ताल मिं खिती गो। यौ दुसेरि मौत छु।

नई दुनी

(प्रकाशितवाक्य २१:१-२७)

तब मील एक नई अगाश और एक नई धरति देखी। पुरॉण अगाश और पुराणि धरति द्विवै अलोप है गेई और समुद्र लै नि रै गोय। मील पवित्र नगर, एक नई यरुशलेम कैं परमेश्वरक यांबे अगाश मिं उतरण देखौ, जो आपण दुल्हक लिजी सजाई-धजाई ब्योलिक चारि छी। तब मिकैं सिंहासन बे एक जोरकि अवाज यौ कूण सुणाई पड़ी, "द्यखो, ऐल बे परमेश्वरक निवास मैंसोंक बीच मिं ह्वल। उं मैंसोंक दगाड़ रौल, और मैंस उनार जनता ह्वाल। परमेश्वर उनर ऑखों बे सब ऑस लै पौछ द्याल। यैक बाद न मौत रौलि, न शोक, न दु:ख और न पीड़, किलैकि पुराणि बात बित गेई।" तब सिंहासन मिं भैटी वॉलल कौ, "द्यखो, मी सब कुछ नई करणयूं।" यैक बाद उनुल मिधैं कौ, "यौ बातों कैं लिखो, किलैकि यौ भरौस करणी और सांचि छन।"

यैक बाद उनुल कौ, "काम पुर है गो। पैली और आखिरी, आदी और अंत मी छूं। मी पाणितिसा कैं बिन डबलोंक जिन्दगी दिणी छ्वाय बे पिलूंल। जो जितॉल, मी उनुकैं यौ सब द्यूंल। मी उनर परमेश्वर बणुंल, और उं म्यार नॉनतिन ह्वाल। लेकिन डरपोकों जो भरौस नि करन, नीच, खूनी, ब्यभिचारियों, जॉद-टुन करणियों, द्याप्तोंक पुज करणिवॉलों और हर किसमक झुट मैंसोंक अंत यस ह्वल कि उं सबों कैं ऑगक ताल मिं खिती जॉल। यौ दुसेरि मौत छु।"

तब एक स्वर्गदूतल म्यर पास ऐबेर कौ, "आओ, मी तुमुकैं नई यरुशलेम कैं दिखूंल।" तब उ स्वर्गदूत मिकैं ठुलौ उंच्च डॉन मिं लिबेर गो, वांबे वील मिकैं पवित्र यरुशलेम नगरी दिखै, जो स्वर्ग बे उतरणैछी। उ परमेश्वरक महिमाल भरी और किमती मणियोंक चारि चमकणैछी। वीक चारों तरफ

एक ठुली और उंचचि दिवाल छी, जनुमिं बार द्वार छी, और हरेक द्वारक सामण एक स्वर्गदूत ठॉड़ रुंछी। और उं द्वारों मिं इस्रायलक बार कुलोंक नाम लेखी छी। पूरब, पशचिम, उत्तर और दक्षिण सब दिशाओं मिं वीक तीन द्वार छी। नगरक दिवालक नींव बार ढुङों मिं ठॉड़ छी और उनुमिं यीशुक बार शिष्योंक नाम लेखी छी।

जो म्यर दगाड़ बात करणौछी वीक पास नगर, वीक द्वार और वीक दिवाल कैं नॉपणक लिजी सुनक एक गज छी। जब स्वर्गदूतल उकैं नॉपौ तब वीक लम्बाई-चौड़ाई और उचाई सब द्वी हजार द्वी सौ बीस किलोमीटर निकलौ। जब उ स्वर्गदूतल उ दिवालकि नांप ले, तब वीक मोटाई पैंसठ मीटर निकई। यौ दिवाल भौत किमती ढुङोंल बणी छी, जो भौत चमकछी। यौ दिवालकि नींव बार अलग-अलग किसम-किस्माक किमती ढुङोंल बणी छी। यैक बार फाटक बार मोतियोंल बणी छी, हरेक फाटक यक्कै मोतील बणी छी। और नगरक बॉटों मिं शुद्ध सुन लागीं छी, और उं कांचक चारि चमकदार छी।

मील वां क्वे मंदिर नि द्यख, किलैकि सबों है ठुल प्रभु परमेश्वर और यीशु मसीह मैंसोंक बीच मिं छी, यैक लिजी मैंसों कैं मंदिरक के जरूवत नि छी। उ नगर कैं सूर्ज और चन्द्रमांक उज्यावक जरवत लै न्हैं, किलैकि परमेश्वरक महिमा उनर दगाड़ छु, और यीशु उ नगरक उज्याव छु। दुनियॉक सब देशोंक मैंस वीक उज्याव मिं रौल और धरतिक रॉज आपण भेट लिबेर वां आल। वीक द्वार कभै बन्द नि हो, और न वां कभै रात ह्वेलि। सब देशोंक मैंस आपण धन-दौलत लिबेर वां आल।

लेकिन न तो उमिं क्वे अपवित्र, खराब काम करणी, झुट बुलाणी नि जै सकन, पर बस वीं जै सकनी, जनर नाम परमेश्वरक जीवनक किताब मिं लेखी छन।

परमेश्वर मैंसोंक बीच मिं रौल

(प्रकाशितवाक्य २२:१-५)

यैक बाद स्वर्गदूतल मिकैं परमेश्वरक सिंहासन बे बगणी एक भौत साफ गाड़ दिखै, जैक पाणि जीवन दिंछी। उ यौ नगरक बीचों-बीच बगछी। और वीक किनॉर मिं द्विवै तरफ एक-एक जीवनक बोट छी, जैमिं बार किसमॉक फल छी और उमिं हर म्हैण मिं फल लागछी, और यौ बोटॉक पातोंल हरेक

देशोंक मैंसोंक इलाज करी जांछी। वां क्वे लै फिटकार नि रओ। परमेश्वर और यीशुक सिंहासन वां ह्वल, और उनार सेवक उनेरि अराधना करॉल। मैंस परमेश्वर कैं आमण-सामण देखॉल, और परमेश्वरक नाम उनर कपाव मिं लेखी ह्वल। वां फिर कभै रात नि हो, और उनुकैं बत्ती या सूर्जक उज्यावक जरवत नि पड़ो। किलैकि प्रभु परमेश्वरक उज्याव उनुमिं ह्वल, और उं सब हमेशा-हमेशा तलक राज करॉल।

प्रभु यीशु जल्दी आल

(प्रकाशितवाक्य २२:६-२१)

स्वर्गदूतल मिधैं कौ, "यौ सब बात भरौस करणी और सांचि छन। प्रभु परमेश्वरल आपण दूत कैं भेजि रॉखौ जैल उं आपण सेवकों कैं उ घटनाओं कैं दिखै सको जो जल्दी हुणिवॉल छु।"

यीशुल कौ, "द्यखो, मी जल्दी उणयूं। धन्य छु उ मैंस जो यौ पुस्तककि बातों कैं मानुं।"

मी यहूनाल यौ बातों कैं देखौ और सुणौ। जब मील देख-सुण हैछी, तब जो स्वर्गदूतल मिकैं यौं सब बातों कैं दिखैबेर सुणाछी, मी वीक खुटॉन मिं चौड़ हबेर पैलाग करणक लिजी खिती पड़यूं। लेकिन वील मिधैं यस कौ, "तुम यस झन करो। मी लै तुमर और तुमर भै नबियोंक और उं सब मैंसोंक जो यौ किताबकि बातों कैं माननी उनर चारि परमेश्वरक एक सेवक छूं। तुम केवल परमेश्वरक अराधना करो।" फिर वील मिधैं यस कौ, "तुम यौ पुस्तकक भविष्यबाणियोंक बातों कैं गुप्त नि धरिया, किलैकि यौ सब हुणक बखत नजिक छु। पापि आजि पाप करनै रओ, नीच मैंस नीचै बणि रओ। धर्मी, धार्मिक और पवित्र, पवित्र बणि रओ।"

प्रभु यीशु कूंनी, "द्यखो, मी जल्दी उणयूं। तुमर इनाम म्यर पास छु। और मी हरेक मैंसोंक कामोंक हिसाबल उनर न्याय करुंल। पैली और आखिरी, आदी और अंत मी छूं।"

धन्य छन उं जो आपण लुकुड़ों कैं ध्वे लिनै। उं जीवनक बोटक फलक हकदार ह्वाल। और वीक द्वारोंक बॉट नगर भितेर आल। लेकिन कुकरमी, तांत्रिक, खूनी, द्याप्तोंक पुज करनी, झुट लगूणी, यौं सब भ्यारै रौल। मील विश्वासियोंक समुदायों कैं यौ बात बतूणक लिजी तुमर पास आपण दूत भेजौ। मी दाउदक वंशज छूं, और चमकदार रातियक तॉर छूं।

आत्मा और ब्योलि द्विवै कूंनी, “आओ!” और जो सुणुं, उ लै कवो, “आओ!” [1]

जो पाणितिसा छु, आओ, बिन डबलोंक जीवन दिणी पाणि पियो!

जो मैंस यौ पुस्तकक भविष्यबाणी कैं सुणनी, मी, यहूना, उं सबों कैं खबरदार करनू, कि अगर क्वे यैमिं के बढ़ाल, तब परमेश्वर लै वीक लिजी यौ पुस्तक मिं लिखी परेशानियों कैं बढ़ै द्याल। और अगर क्वे यैमिंबे के कॉटॉल, तब परमेश्वर यौ पुस्तक मिं लेखी जीवनक बोट और पवित्र नगर बे वीक भाग काटि द्याल।

यौ बातोंक गवाही दिणी यीशु मसीह यस कूं, “मी जरूड़ जल्दी उणयूं।” हे प्रभु, तुम आपण कूणक अनुसार झट्ट करिया!

प्रभु यीशुक किरपा तुम सबों मिं बणी रओ।

[1] ब्योलि - यीशु मसीक विश्वासियोंक समूहों कैं यां यीशुक ब्योलि कूंनी।